Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to establish a meditaton centre in Kapilanath and keep the bone urn of Gautam Buddh there.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): सभापति महोदय, मैं आपका ध्यान और आपके माध्यम से सरकार का ध्यान गौतम बुद्ध की जन्म स्थली कपिलवस्तु की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ । आज पूरी दुनिया के राष्ट्रीय मंचों पर भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि हो सकता है कि दुनिया ने युद्ध दिया, लेकिन हमने पूरी दुनिया को गौतम बुद्ध दिया और गौतम बुद्ध शांति, अहिंसा, ममता, करूणा के एक प्रतीक के रूप में पूरी दुनिया में प्रासांगिक हो रहे हैं । आज दुनिया में कहीं पर हिंसा है और कहीं पर आतंकवाद है ।

आज दुनिया में बहुत सारे देश बौद्ध धर्म को मानने वाले हैं । चाहे आज हमारा पड़ोसी देश हो, साउथ-ईस्ट एशिया हो, थाईलैंड हो, सिंगापुर हो, मलेशिया हो, चाइना हो, जापान हो, कोरिया हो या इंडोनेशिया हो, इन तमाम मुल्क के लोग, लाखों लोग हर साल मेरे संसदीय क्षेत्र, जहां गौतम बुद्ध पैदा हुए, उस जगह पर आते हैं, सारनाथ आते हैं, बिहार में बोधगया आते हैं और श्रीलंका भी जाते हैं । वे आस्था के साथ आते हैं । जब डिपार्टमेंट ऑफ आर्कियोलॉजी और कलकत्ता यूनिवर्सिटी के अनुसार जब 6 ए.डी. के पूर्व खुदाई हुई तो उस खुदाई में जो चीजें निकली हैं, उनके लिए मैं आज भारत सरकार को धन्यवाद दूंगा कि उसके लिए कपिलवस्तु में राष्ट्रीय संग्रहालय बना दिया गया है और जो अस्थि कलश मिला था, वह दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में दो रखे हुए हैं । अगर उसमें से एक अस्थि कलश कपिलवस्तु में रख दिया जाए तो जो लोग सारनाथ, बोधगया, कपिलवस्तु और श्रावस्ती आते हैं, उन लाखों पर्यटकों को सिद्धार्थनगर जनपद के कपिलवस्तु के राष्ट्रीय संग्रहालय में गौतम बुद्ध की अस्थि का दर्शन करने का मौका मिलेगा । …(व्यवधान) इसके अलावा श्रीलंका में उनका एक नाखुन/दांत है, उसको देखने के लिए बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले करोड़ों लोग जाते हैं । सभापति महोदय, यह विषय बहुत महत्वपूर्ण है ।

18.00 hrs

अधिष्ठाता महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है । I think, you have full faith for the religion. This is very serious. इसके बारे में मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वहां पर एक विपश्यना केन्द्र की स्थापना हो और उस अस्थि कलश को वहां पर रखा जाए, क्योंकि 29 वर्षों तक गौतम बुद्ध वहां रहे । …(व्यवधान)